दिनांक–17.02.2025

UG Third Semester MIC,MDC (Philosophy)

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q.1. रामानुज के विशिष्टाद्वैत वेदांत में जगत (संसार) की विशेषताएँ क्या हैं?

रामानुज के विशिष्टाद्वैत वेदांत में जगत (संसार) की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. **वास्तविकता :** जगत को वास्तविक माना गया है और इसे माया या भ्रम नहीं माना जाता।
2. **परिवर्तनशीलता :** जगत परिवर्तनशील है और इसमें निरंतर परिवर्तन होते रहते हैं।
3. **ब्रह्म का शरीर :** जगत ब्रह्म का शरीर है, जैसे आत्मा का शरीर होता है। ब्रह्म और जगत अविभाज्य हैं और एक-दूसरे के पूरक हैं।
4. **सत् :** जगत ब्रह्म की शक्ति और अभिव्यक्ति है और इसका अस्तित्व ब्रह्म के कारण है।

Q. 2..रामानुज के अनुसार, ब्रह्म और जगत का क्या संबंध है?

रामानुज के अनुसार, ब्रह्म और जगत के बीच का संबंध अविभाज्य और अंतर–निर्भरता का है

1. **अविभाज्य संबंध :** ब्रह्म और जगत अविभाज्य हैं। जगत ब्रह्म की शक्ति और अभिव्यक्ति है और ब्रह्म के बिना जगत का कोई अस्तित्व नहीं है।
2. **शरीर–आत्मा संबंध :** ब्रह्म जगत की आत्मा है और जगत ब्रह्म का शरीर है। यह संबंध उनकी अविभाज्यता और अंतर–निर्भरता को दर्शाता है।
3. **लीला और कृपा :** जगत ब्रह्म की लीला और कृपा का परिणाम है, जो ब्रह्म की शक्ति और अनुग्रह को प्रकट करता है।

Q. 3. रामानुज के विशिष्टाद्वैत वेदांत में जगत का क्या महत्त्व है?

Ans. रामानुज के विशिष्टाद्वैत वेदांत में जगत का महत्वपूर्ण स्थान है:

1. **सृष्टि का आधार :** जगत ब्रह्म की शक्ति और अभिव्यक्ति है, जो इसे वास्तविक और सत् बनाता है।
2. **जीवन का उद्देश्य :** जीवन का उद्देश्य ब्रह्म की उपासना और भक्ति के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करना है। यह जीवन ब्रह्म की कृपा और मार्गदर्शन के लिए है।
3. **भक्ति और उपासना :** जगत ब्रह्म की उपासना और भक्ति का माध्यम है। जीवात्मा को इस सृष्टि में ब्रह्म की उपासना और भक्ति के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करना चाहिए।
4. **नैतिकता और धर्म :** जगत नैतिकता और धर्म के पालन के लिए महत्वपूर्ण है, जो सत्य, अहिंसा, और न्याय के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी
सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग
शिवदेनी राम अयोध्या प्रसाद महाविद्यालय
बारा चकिया,पूर्वी चम्पारण
मो0–9608685335
Email Id- shrawankumarmodi1973@gmail.com